C.G Special Class-2 (History)

unacademy

Philosophy→08:00AM

Economics→ 09:30AM

C.G. Special→04:00PM

BY

RAJESHWAR SIR

Today Class

Begin

- मौर्य काल
- सातवाहन वंश
- कुषाण वंश
- मेघवंश
- वाकाटक वंश
- गुप्त वंश
- Imp MCQ
  - (Mains Related Que)

मौर्य काल (Maurya Period)

(322–185 ई.पू.)

छत्तीसगढ़ में मौर्यकालीन साक्ष्य –

1. सिक्के – अकलतरा, ठठारी (जांजगीर–चाम्पा), बारगांव (रायगढ़)
2. यात्रा वृतान्त – इस काल का साक्ष्य ह्वेनसांग की रचना सी–यू–की में मिलता है।
3. शिलालेख – रामगढ़ की पहाड़ी में स्थित जोगीमारा की गुफा (Cave Of Jogimara) में। [CGPSC (ADI) 2017]
   – जिसकी भाषा पाली एवं लिपि ब्राम्ही है। (Pali Language and brahmi script.)
4. शैल चित्र – रामगढ़ की पहाड़ी में स्थित जोगीमारा की गुफा (Cave Of Jogimara) में नर्तक देवदत्त एवं नर्तकी सुतनुका के प्रेमगाथा का वर्णन है। [CG PSC (Mains) 2011]

नोट – प्राचीन छ.ग. का उत्तरी भाग मौर्य साम्राज्य में सम्मिलित था। जिसकी पुष्टि अशोक के कलिंग शिलालेख से नहीं होती है। [CGPSC (ADI) 2017]

– किन्तु मध्य एवं दक्षिण छत्तीसगढ़ कलिंग विजय के पश्चात् मौर्य साम्राज्य का अंग बना।

Mentor
RAJESHWAR SIR

सातवाहन वंश (Satvahan Period)

(72–200 ई.)

राजधानी – प्रतिष्ठान(महाराष्ट्र) में

छत्तीसगढ़ में सातवाहन कालीन साक्ष्य –

1. मुद्रा – मल्हार (बिलासपुर, राजा अपीलक की मुद्रा) में
   – बालपुर (जांजगीर–चांपा, राजा अपीलक की मुद्रा)
   – चकरबेड़ा (बिलासपुर,सातवाहन काल में रोमकालीन स्वर्ण मुद्राएं) में
2. शिलालेख – गुंजी शिलालेख, राजा वरदत्तश्री की जानकारी (जांजगीर–चांपा)
3. स्तंभ लेख – किरारी (जांजगीर–चांपा 1921) में सातवाहन कालीन काष्ठ स्तंभ (Woodenpillar) प्राप्त हुआ
4. स्थापत्य – पांच मंजिला संघाराम (सातवाहन कालीन शासकों ने बौद्धभिक्षु नागार्जुन के लिए बनवाया था)

उपरोक्त साक्ष्य सिक्का शिलालेख एवं काष्ठ स्तम्भ से यह सिध्द होता है कि सातवाहन वंश का शासन छ.ग. में था।

Mentor
RAJESHWAR SIR

कुषाण वंश (Kushan Period)

छत्तीसगढ़ में कुषाण कालीन साक्ष्य –

1. सिक्के – तांबे के सिक्के की प्राप्ति (बिलासपुर जिले से)
– स्वर्ण मुद्रा (तेलीकोट, रायगढ़ जिले से)

Mentor
RAJESHWAR SIR

मेघवंश (Megh Dynasty)

छ.ग. में मेघवंशीय शासक शिवमेघ व यमेघ की जानकारी मिलती है।

Mentor
RAJESHWAR SIR

वाकाटक वंश

trick ↳ "मरू प्रवर नर पृथ्वी हरि वाकटाई"

- मरू → महेन्द्रसेन
- मरू → रूद्रसेन-II
- प्रवर → प्रवरसेन
- नर → नरेन्द्रसेन
- पृथ्वी → पृथ्वीसेन
- हरि → हरिषेण

वाकाटक वंश (Vakatak Dynasty)

- राजधानी – नंदिवर्धन (नागपुर)
- समकालीन वंश – गुप्त वंश तथा नल वंश

प्रमुख शासक

1. महेन्द्रसेन – प्रयाग प्रशस्ति के अनुसार समुद्र गुप्त के दक्षिण विजय अभियान के दौरान दक्षिण कोसल के राजा महेन्द्र सेन एवं महाकांतार के राजा व्याघ्रराज को हराया था। [CG PSC(ARTO) 2017],[CG PSC(AP Eng.) 2016] [CG PSC(Pre.) 2017] [CG Vyapam (Mahila Supervisor) 2013]

2. रूद्रसेन–II – चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती से विवाह किया।

3. प्रवरसेन
- इसके दरबार में महाकवि कालिदास आये थे।
- यात्रा के दौरान सरगुजा जिले के रामगढ़/रामगिरी (सरगुजा) की पहाड़ी पर मेघदूत ग्रंथ की रचना की और सरगुजा को स्वर्ग का द्वार कहा था। [CG PSC (AP) 2017]
- मेघदूत का छत्तीसगढ़ी भाषा में मुकुटधर पाण्डेय ने अनुवाद किया था। [CG PSC (AP) 2016]

Mentor
RAJESHWAR SIR

4. नरेन्द्रसेन	–	ऋद्धिपुर अभिलेख के अनुसार नलवंशी राजा भवदत्त वर्मन ने नरेन्द्रसेन को पराजित किया।
5. पृथ्वीसेन	–	केसरीबेड़ा अभिलेख के अनुसार राजा पृथ्वीसेन ने नलवंशी राजा अर्थपति भट्टारक को पराजित किया।
6. हरिषेण	–	जब वाकाटक वंश समाप्त होने के कगार में था तो वत्स गुलाम वंश (वाकाटकों की एक शाखा जो गोदावरी तट पर निवासरत् था।) आकर शासन किया।
विशेष	–	प्रभावती गुप्त के पुना अभिलेख से ज्ञात होता है कि वाकाटकों ने गुप्तों की अधीनता स्वीकार कर लिया था उपाधि – वाकाटक – महाराज, गुप्त – महाराजाधिराज

गुप्त वंश (319-500 ई.)

Trick – "समुद्र में रामचन्द्र ने कुमार भानु की सहायता से गुप्तकालीन लगभग (319-500) खजाने निकाले"

समुद्रगुप्त
↳ रामगुप्त
↳ चन्द्रगुप्त-II
↳ कुमारगुप्त
↳ भानुगुप्त

6. गुप्तवंश (Gupta Period) (319–500 ई.)

- गुप्तकाल में – 1. मध्य छत्तीसगढ़ को 'दक्षिणापथ/कोसल' [CG PSC (ARTO) 2017]
  2. दण्डकारण्य को महाकान्तार कहा जाता था।
- जानकारी – हरिषेण कृत "प्रयाग प्रशस्ति" से
- गुप्तकालीन सिक्के – बानाबरद (दुर्ग), पिटईवल्द (रायपुर)

समुद्रगुप्त –

- हरिषेणकृत प्रयाग प्रशस्ति के अनुसार गुप्त वंशीय राजा समुद्र गुप्त ने दक्षिण विजय अभियान के दौरान दक्षिण कोसल के वाकाटक राजा महेन्द्र सेन को हराया था तथा महाकान्तार के नलवंशीय राजा व्याघ्रराज को हराया था।
  [CG PSC (AMO) 2018], [CG Vyapam(FI) 2017],[CGVyapam (Mahila Supervisor)2013], [CG PSC (Mains) 2008]
- महासमुन्द के कोपरा नामक ग्राम में समुद्रगुप्त की पत्नी रूपा देवी के साक्ष्य मिले हैं। [CG PSC (Asst. G-3) 2018]
- समुद्रगुप्त ने दक्षिण कोसल एवं महाकान्तार को विजय के बाद अपने साम्राज्य में ग्रहण–मोक्ष अनुग्रह नीति के तहत् सम्मिलित नहीं किया।

Mentor
RAJESHWAR SIR

- रामगुप्त – रामगुप्त के सिक्का दुर्ग के बानाबरद से मिला ।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय – चन्द्रगुप्त द्वितीय की बेटी प्रभावती का विवाह वाकाटक वंश के राजा रूद्रसेन से हुआ था
- कुमारगुप्त – कुमारगुप्त का रत्नजड़ित मयूर सिक्का आरंग से मिला।
- भानुगुप्त – भानुगुप्त के ऐरण अभिलेख (510ई. पूर्व) में शरभवंशीय राजा शरभराज का वर्णन है।
- गुप्तकालीन स्थल –
  1. तालागांव का मंदिर।
  2. पुजारीपाली (बरमकेला) के केंवटीन मंदिर।
  - गुप्तकालीन मंदिर नागरशैली में होता है तथा लाल ईंट से बना होता है।

Mentor
RAJESHWAR SIR

Mock Test

मौर्यकालीन साक्ष्य छत्तीसगढ़ में कहां मिले हैं

- A. कांकेर
- B. ठठारी(जांजगीर चांपा)
- C. खल्लारी
- D. सिरपुर

नर्तक देवदत्त और नर्तकी सूतनुका की प्रेम गाथा का वर्णन संबंधित हैं-

- A. सिंघनपुर की गुफाएं
- B. सिरपुर
- C. जोगीमारा की गुफा
- D. महाभारत कालीन

छत्तीसगढ़ से संबंधित मौर्य काल की जानकारी कहां से मिलती है-

- A. जैन साहित्य
- B. बौद्ध ग्रंथ अवदान शतक
- C. 16 महाजनपदों से
- D. व्हेनसांग की रचना सी यू की

सातवाहन वंश की राजधानी कहां थी

- A. केरल
- B. उज्जैनी
- C. प्रतिष्ठान (महाराष्ट्र)
- D. दक्षिण कौशल

सातवाहन कालीन काष्ठ स्तंभ प्राप्त हुआ है-

- A. मल्हार(बिलासपुर)
- B. बालपुर(जांजगीर चम्पा)
- C. किरारी(जांजगीर चम्पा)
- D. ताला गांव

छत्तीसगढ़ में कुषाण कालीन साक्ष्य तांबे के सिक्के कौनें से जिले से प्राप्त हुए हैं-

- A. राजनंदगांव
- B. सरगुजा
- C. बेमेतरा
- D. बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में मेघवंशी शासक की जानकारी मिलती है

- A. अश्व मेघ
- B. बलि मेघ
- C. शिव मेघ
- D. उपरोक्त में से कोई नहीं

वाकाटक वंश की राजधानी क्या थी-

- A. नंदी वर्धन (नागपुर)
- B. प्रतिष्ठान (महाराष्ट्र)
- C. शक्ति मती
- D. आरंग

दक्षिण कौशल के राजा महेंद्र सेन एवं महाकांतार के राजा व्याघ्रराज को हराने वाले शासक का नाम-

- A. नरेंद्र सेन
- B. पृथ्वी सेन
- C. समुद्रगुप्त
- D. महेंद्र सेन

महाकवि कालिदास किस वाकाटक वंश के शासक के दरबार में आए थे-

- A. प्रवरसेन
- B. पृथ्वी सेन
- C. रूद्र सेन द्वितीय
- D. उपरोक्त में से कोई

मेघदूत ग्रंथ की रचना महाकवि कालिदास ने छत्तीसगढ़ के किस जिले की पहाड़ी में की थी-

- A. कांकेर के पंचवटी
- B. सरगुजा के रामगढ़ की पहाड़ी
- C. सतपुड़ा की पहाड़ी
- D. रायगढ़ की पहाड़ियां

Mentor
RAJESHWAR SIR

समुद्रगुप्त की ' प्रयाग - प्रशस्ति ' में इस राज्य को निम्न में से किस नाम से संदर्भित किया गया है ?

- (A) दक्षिण - कोसल
- (B) उत्तर - कोसल
- (C) महाकोसल
- (D) सिबिकोसल

किस अभिलेख में उल्लेखित है कि समुद्र गुप्त ने दक्षिणापथ अभियान के दौरान कोसल के राजा महेन्द्र को पराजित किया था

- A) प्रयाग प्रशस्ति
- (B) गया अभिलेख
- (C) किरारी काष्ठ अभिलेख
- (D) नालंदा अभिलेख

समुद्रगुप्त के दक्षिण अभियान में पराजित कोसल राज्य का राजा निम्नलिखित में से कौन था

- (A) स्वामीदत्त
- (B) व्याघ्रराज
- (C) विष्णुगोप
- D) महेन्द्र सेन

महाकान्तार के किस राजा को समुद्र गुप्त ने हराया था

- (A) महेन्द्र
- (B व्याघ्रराज
- (C) शंखचूड़
- (D) जैतराज

प्रयाग प्रशस्ति के अनुसार समुद्र गुप्त ने अपने दक्षिणापथ अभियान में निम्न लिखित राज्यों को जीता , जिनमें से दो छत्तीसगढ़ क्षेत्र में थे

- अ. कोसल
- ब . कुराट
- स . महाकांतार
- द . पिष्टपुर

सही उत्तर चुनिये

(A) अ एवं ब

(B) ब एवं स

(C) अ एवं स

(D) ब एवं द

निम्नलिखित कथन को पढ़िये

- 1.समुदगुप्त की ' प्रयाग प्रशस्ति ' में छत्तीसगढ़ को कोसल कहा गया है ।
- 2. समुद्रगुप्त ने अपने दक्षिणी अभियान में कोसल के राजा महेन्द्र को पराजित किया था ।
- 3. उसने इस राज्य को अपने सम्राज्य में सम्मिलित कर लिया ।

सही उत्तर चुनिये

(A) 1 , 2 एवं ३ सही है

(B) 1 एवं 2 सही है

(C) 2 एवं 3 सही है

(D) 1 एवं 3 सही है

Syllabus Discussion

- **Special Classes**
- **Mains→**Philosophy, Sociology
- Public Administration
- **Special (Pre+Mains)→ Economics**
- **Environment and Ecology , Technology**

unacademy

BY

RAJESHWAR SIR